विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत दिनांक 28-12-2020

वर्ग पंचम शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

संस्कृत : धातु रुप प्रकरण

सूची देखें

“क्रयादिगण” का सामान्य परिचय -

इस गण की पहली धातु ‘ क्री ’ है | इस गण के अन्य रूप ‘ क्री ’की तरह होते है | धातु और प्रत्यय के बीच इस गण में श्ना (ना) जोड़ा जाता है | किन्हीं प्रत्ययों के पूर्व यह ‘ ना ’ ‘ न ’हो जाता है ,और किन्हीं के पूर्व ‘ नी ’ |धातु की उपधा में यदि वर्गों का पंचम अक्षर अथवा अनुस्वार हो तो उसका लोप हो जाता है |

क्री (खरीदना) परस्मैपदी धातु रूप [क्रयादिगण]

लट् लकार (वर्तमान काल)

पुरुष	एकवचन	व्दिवचन	बहुवचन

प्रथम पुरुष	क्रीणाति	क्रीणीत:	क्रीणन्ति
मध्यम पुरुष	क्रीणासि	क्रीणीथ:	क्रीणीथ
उत्तम पुरुष	क्रीणामि	क्रीणीव:	क्रीणीम:

लङ्. लकार (भूतकाल)

पुरुष	एकवचन	व्दिवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	अक्रीणात्	अक्रीणीताम्	अक्रीणन्
मध्यम पुरुष	अक्रीणा:	अक्रीणीतम्	अक्रीणीत
उत्तम पुरुष	अक्रीणाम्	अक्रीणीव	अक्रीणीम

लृट् लकार (भविष्यत काल)

पुरुष	एकवचन	व्दिवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	क्रेष्यति	क्रेष्यत:	क्रेष्यन्ति
मध्यम पुरुष	क्रेष्यसि	क्रेष्यथ:	क्रेष्यथ
उत्तम पुरुष	क्रेष्यामि	क्रेष्याव:	क्रेष्याम: